कलाकारों की टोली निकली। रामघाट से जानकीकुंड तक निकली शोभायात्रा को देखने सड़क किनारे लोगों की भीड़ जमा थी। हिमाचल प्रदेश के कलाकारों ने महाभारत युद्ध पर आधारित लोकनृत्य ठोडा की प्रस्तुति दी। मप्र के सागर जिले की महिला कलाकारों ने लोकरंग बधाई नृत्य और चित्रकूट के कलाकारों ने राई कोलाई का प्रस्तुतिकरण दिया। छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने रामनामी, पंडवानी, नाचा और पंथी गायन की प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को जीवंत कर दिया। उतराखंड के कलाकारों ने हिलजामा की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। केरल के कलाकारों ने पुलीकली टाइगर और कुमाठी की प्रस्तुति दी। प्रज्यात लोकगायिका श्रीमती मालिनी अवस्थी के भोजपुरी गीत को खूब सराहना मिली। पार्श्वगायक मोहित चौहान ने भी सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी।

ग्रामोदय मेला में तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें उप्र, मप्र के 17 विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध में 186 तथा चित्रकला में 97 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के बौद्धिक क्षमता के हिसाब से समूहों में प्रतियोगिता कराई गई। निबंध प्रतियोगिता में समाज से जुड़े विषयों का चयन किया गया था। जल प्रबंधन आज की आवश्यकता, प्लास्टिक पॉलीथिन का दुष्प्रभाव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व्यक्तित्व एवं कृतित्व जैसे विषयों पर छात्रों ने अच्छे निबंध लिखे। इसके अलावा चित्रकूट के प्राकृतिक दृश्य, ग्रामीण परिवेश के किसी मेले का दृश्य, चित्रकूट का दर्शनीय स्थल, ऐतिहासिक अथवा पौराणिक गाथा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अथवा राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख का आलेख चित्र बनाने को दिया गया। इसमें विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन सामने आया।

चित्रकूट के दीनदयाल परिसर में समग्र ग्राम विकास की चुनौतियां एवं समाधान, आजीवन स्वास्थ में आयुर्वेद-योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, युगानुकूल सामाजिक पुर्नरचना जैसे विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। ग्रामोदय मेला के तीसरे दिन हरियाणा के राज्यपाल माननीय कप्तान सिंह सोलंकी, केन्द्रीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उपक्रम राज्यमंत्री गिरिराज सिंह, मप्र की महिला बाल विकास मंत्री